RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-04
April-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

वैश्विक अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स समूह देश का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का अन्तर्वाह : विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

मोनी सिंह

(शोध छात्रा), अर्थशास्त्र विभाग बयालसी पी. जी. कालेज जलालपुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश-२२२००१, भारत

ARTICLE DETAILS
Article History
Published Online: 15April2019

Keywords
BRIC, BRICS, emerging world order, FDI Flow, UNCTAD, Developed Economy.

ABSTRACT

ब्रिक्स समूह देश क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं और राजनैतिक शक्तियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस शोधपत्र का मुख्य उद्देश्य ब्रिक्स समूह देशों की अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह के प्रवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना हैं। एफडीआई प्रवाह देश के आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में स्वीकार किया जाता हैं। 1980 के दशक से एफडीआई (FDI) प्रभाव में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है, इन्हीं कारणों से वैश्विक बाजार और अधिक प्रतिस्पर्धी बन गया हैं। एफडीआई प्रवाह सभी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई प्रवाह के आकार और संरचना पर निर्भर करती हैं। ब्रिक्स समूह देश की अर्थव्यवस्था विदेशी निवेशकों को कई कारणों से आकर्षित करती हैं जैसे- युवा श्रम-शक्ति, सस्ती श्रम-शक्ति, प्राकृतिक संसाधन और बड़े बाजार का आकार इत्यादि। यूएनसीटीएडी (UNCTAD) रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक एफडीआई प्रवाह वर्ष 2018 में 1.41 ट्रिलियन डॉलर से 1 प्रतिशत गिरावट के साथ वर्ष 2019 में 1.39 ट्रिलियन डॉलर हो गया।[1] ब्रिक्स समूह देश की एफडीआई प्रवाह वर्ष 2018 के 369.9 बिलियन डॉलर से घटकर वर्ष 2019 में 321.4 बिलियन डॉलर हो गया।[2] ब्रिक्स समूह देशों की अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू बचतों और आवश्यकताओं (घरेलू मांग) में उपस्थित अंतराल के कारण विदेशी पूंजी के पर्याप्त आयात के बिना विकास करना संभव नहीं हैं। एफडीआई प्रवाह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक विकास और विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

प्रस्तावना:

ब्रिक्स समूह देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरता हुआ समूह देश हैं। प्रारंभिक रूप से ब्रिक्स- ब्राजील(B), रूस(R), भारत(I), चीन(C) और दक्षिण अफ्रीका(S) वाक्यांश का उद्भव अमेरिकी बैंक के जिम ओ नील मुख्य अर्थशास्त्री गोल्डमैन सैक के रिपोर्ट ***"बेहतर वैश्विक आर्थिक ब्रिक्स का निर्माण"*** से हुआ।[3] गोल्डमैन सैक ने यह भविष्यवाणी की कि चीन, भारत, ब्राजील और रूस वर्ष 2050 तक विश्व में पहली, तीसरी, पांचवी और छठीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी।[4] प्रारंभिक रूप में 'ब्रिक्स'(BRICS) समूह को गठित करने का प्रयास सितंबर 2006 में संयुक्त राष्ट्र के सामान्य अधिवेशन के 61वं सत्र के दौरान प्रारंभ हुआ। ब्राजील, रूस, भारत और चीन के विदेश मंत्रियों ने राजनैतिक सहयोग के माध्यम से विकास के नवीन मार्ग को तलाशने का प्रयास किया। वर्ष 2009 में पहली बार ब्राजील, रूस, भारत व चीन इन देशों द्वारा पहला सम्मेलन किया गया जिसे 'ब्रिक' (BRIC) सम्मेलन के नाम से जाना गया। ब्रिक्स समूह देशों में दक्षिण अफ्रीका 13 अप्रैल, 2011 को शामिल हुआ। जिसके पश्चात् इस समूह का नाम 'ब्रिक' से 'ब्रिक्स' हो गया तब से यह संपूर्ण विश्व में **"ब्रिक्स"** समूह के नाम से जाना जाने लगा। कई शोधकर्ताओं, निवेशकों ,अर्थशास्त्रियों एवं राजनेताओं और कई अन्य ने विश्व की इन पांच प्रमुख रूप से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया हैं। वर्ष 2019 में ब्रिक्स समूह के सदस्यों द्वारा 3. 1 बिलियन यूएस डॉलर का लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो विश्व जनसंख्या का लगभग 41 प्रतिशत हैं। ब्रिक्स समूह देश संयुक्त विदेशी मुद्रा भंडार में 4.4 ट्रिलियन यूएस डॉलर का योगदान करता हैं। ब्रिक्स समूह देश का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2018 में 18.6 ट्रिलियन यूएस डॉलर का है इन राष्ट्रो का वैश्विक जी.डी.पी. में 23 ट्रिलियन यूएस डॉलर है तथा विश्व व्यापार में लगभग 18 प्रतिशत हिस्से का महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।[5] जो उन्हें संयुक्त रूप से जी-7 देशों की तुलना में बड़ा बनाती हैं। विकासशील देशों के आर्थिक विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को एक शक्तिशाली इंजन के रूप में मान्यता दी जाती है, चूँकि यह उत्पादन सुविधाओं में निवेश का प्रतिनिधित्व करता है, पूंजी अभाव वाले अर्थव्यवस्था में सकल पूंजी का निर्माण करने में, रोजगार के अवसरों को सृजित करने में, उत्पादक क्षमताओं विकसित करने में, प्रौद्योगिकी और प्रबंधकीय की जानकारी के हस्तांतरण के माध्यम से स्थानीय श्रम के कौशल को बढ़ाने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था को एकीकृत करने में सक्षम बनाता हैं। एफडीआई का अंर्तप्रवाह न

RRIJM 2015, All Rights Reserved

केवल विदेशी निवेशकों को दीर्घकालीन वित्तीय हितों की सेवा देता है बल्कि यह मेजबानी कर रहे देशों की विकास की गतिशीलता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। विकास और आर्थिक बदलाव को तेज करने में एफडीआई की संभावित भूमिका को देखते हुए विकासशील देश इसे आकर्षित करने में दृढ़ता से रूचि दिखाते हैं।

साहित्य की समीक्षाः

प्रस्तुत शोधपत्र का आधार **"वैश्विक अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स समूह देश का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का अन्तर्वाह विश्लेषणात्मक अध्ययन"** करना हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह किसी अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित करता हैं। इस संदर्भ में कई अन्य शोधकार्य भी विगत वर्षों में किए गए हैं जिनमें से कुछ अध्ययनों ने एफडीआई प्रवाह और आर्थिक विकास के बीच संबंधो का अध्ययन किया है, कुछ अध्ययनो का विवरण निम्नलिखित हैः

1.चारकोविक और लेवाइन (1998) इन्होंने अपने शोधपत्र में एफडीआई और आर्थिक विकास के बीच संबंधों का विश्लेषण करने के लिए वर्ष 1960 से 1995 तक की अवधि में 72 विकासशील और विकसित देशों के लिए पैनल और क्रॉस सेक्शनल डाटा दोनों का उपयोग किया। वे जीएमएम (GMM) और ओएलएस (OLS) के आकलन के तरीकों को नियोजित करते हैं और एफडीआई और आर्थिक विकास के बीच संबंधों के प्रमाण को प्राप्त करने में असफलता मिली।

2.बालासुब्रमण्यम (1996) इन्होंने अपने शोधपत्र में आर्थिक विकास और एफडीआई के बीच संबंधों का विश्लेषण करने के लिए वर्ष 1970 से 1985 की अवधि में 46 देशों के लिए क्रॉस सेक्शनल डाटा का उपयोग किया। अध्ययन से प्राप्त परिणाम बताते हैं कि एफडीआई प्रवाह का उन देशों के आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिन्होंने अंर्तप्रवाह को देखकर विकास की रणनीतियों का पालन किया।

3.चिद्रे (1996) इनके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय पूंजी प्रवाह को अब व्यापक रूप से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के औद्योगिक विकास में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोंत के रूप में स्वीकार किया जाता है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह प्रौद्योगिकी, पूंजी, कौशल के रूप में प्रवाहित होता है और कभी-कभी बाजार पहुंच के रूप में।

4.तिवारी और मोटास्कू (2011) इन्होंने शोधपत्र में पैनल डाटा का उपयोग करके एशियाई देशों के आर्थिक विकास और एफडीआई प्रवाह के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। इन्होंने अध्ययन के लिए अवधि में वर्ष 1986-2000 तक कि अवधि को शामिल किया और इसमें 23 देशों के आंकड़ों को शामिल किया। अध्ययन से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि एफडीआई प्रवाह आर्थिक विकास प्रक्रिया को और बढ़ाते हैं इसके अतिरिक्त श्रम और पूंजी भी आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5.प्रधान (2011) इन्होंने अपने शोधपत्र में वर्ष 1980 से 2010 की अवधि में ब्रिक्स देशों में एफडीआई प्रवाह के निर्धारक कारको का अध्ययन करते हैं। **जफर (2013)** वर्ष 1991 से 2010 की अवधि में समय श्रृंखला के आंकड़ों का उपयोग करके भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में एफडीआई प्रवाह पर अन्य कारको व्यापार खुलापन और पूंजी लागत के प्रभाव की जांच करता हैं। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि विकासशील देशों में एफडीआई प्रवाह और आर्थिक विकास के बीच मजबूत और सकारात्मक संबंध हैं।

6.फोर्टेनियर (2007) इन्होंने अपने शोधपत्र में विदेशी निवेश और विकास की स्थिति में निवेशक देश की भूमिका का अध्ययन किया। वर्ष 1989 से 2002 की अवधि में प्रमुख निवेशकों और 71 मेजबान देशों के लिए पैनल डाटा का उपयोग किया था। प्राप्त परिणामों से पता चलता है कि एफडीआई का विकास परिणाम मूल देश द्वारा अलग है और मूल देश पर प्रभाव भी मेजबान देशों की विशेषताओं के आधार पर भिन्न होता हैं।

7.चक्रवर्ती और नूनेन कम्प (2006) इन्होंने अपने शोधपत्र में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और आर्थिक सुधारों के प्रभाव का विश्लेषण किया। अध्ययन में ग्रेंजर कॉसिलिटी और पैनल डाटा का सह-एकीकरण दृष्टिकोण का उपयोग किया। अध्ययन से प्राप्त परिणाम यह प्रदर्शित करता है कि एफडीआई का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से भिन्न होते हैं। प्राथमिक क्षेत्र में कोई आकस्मिक संबंध नहीं मिला जबकि सेवा क्षेत्र के उत्पादन पर एफडीआई का केवल नाममात्र प्रभाव पाया।

8.जॉनसन (2006) इन्होंने 90 देशों के पैनल डाटा और क्रॉस सेक्सनल डाटा का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि प्रौद्योगिकी के कारण एफडीआई विकासशील अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास को बढ़ाता है, लेकिन विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नहीं। अध्ययन में प्राथमिक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के आर्थिक विकास पर एफडीआई के प्रभाव की भी जांच की गई हैं। **अल्कारों (2003)** की राय है कि विदेशी निवेश के लाभ विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न–भिन्न होते हैं और प्राथमिक क्षेत्र पर एफडीआई का प्रभाव नकारात्मक है विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों पर इसका प्रभाव सकारात्मक है और अस्पष्ट हैं।

9.हांग और चेन (2001) इन्होंने चीन में एफडीआई के निर्धारकों का विश्लेषण करने के लिए समय श्रृंखला और पैनल डाटा का उपयोग किया गया और निष्कर्ष निकाला कि कम श्रम लागत और बड़े बाजार की क्षमता के साथ विदेशी निवेशक के प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अनुभव का एकाधिकारी लाभ चीन में एफडीआई को आकर्षित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हो सकते हैं।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

10.ब्रैडमैन और रिकैनाटिनी (2001) इन्होंने शोधपत्र में 1995 से 1999 के बीच की अवधि को लिया और रूस में क्षेत्रीय एफडीआई और कुल एफडीआई की व्याख्या करने के लिए बाजार आकार, जलवायु, शिक्षा स्तर और स्थानीय निवेश चर का विश्लेषण किया। श्रम, परिवहन और बुनियादी ढांचे की लागत अन्य व्याखात्म चर थे और एफडीआई पर उनका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता हैं।

हम देखते हैं कि कई अध्ययनों ने विकसित देशों में विदेशी पूंजी के अन्य स्रोत जैसे-पोर्टफोलियो निवेश, वाणिज्यिक उधार, गैर-आवासीय भारतीय जमा (NRI) के अतिरिक्त के विभिन्न वृहद आर्थिक कारकों के साथ विदेशी अन्तर्वाह चर में एफडीआई के संबंधों का विश्लेषण किया हैं।

अध्ययन के उद्देश्य:

1.ब्रिक्स समूह की अर्थव्यवस्था में एफडीआई प्रवाह की प्रवृत्ति का अध्ययन करना।
2.ब्रिक्स समूह की अर्थव्यवस्था के निवेश क्षेत्रों व निवेश स्थलों में एफडीआई प्रवाह का अध्ययन करना।
3.ब्रिक्स समूह की अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाली एफडीआई अन्तर्वाह का अध्ययन करना।

अध्ययन की आवश्यकता:

ब्रिक्स समूह देश क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं और राजनैतिक शक्तियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह का मूल्यांकन करे तो ब्रिक्स देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह में वृद्धि की प्रवृत्ति पाई गई हैं। वहीं दूसरी तरफ ब्रिक्स के सदस्य देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य के रूप में स्थापित हुए। ब्रिक्स समूह में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाला देशों का क्रम-चीन, ब्राजील, भारत, रूस और दक्षिण अफ्रीका हैं। ये पांच उभरती अर्थव्यवस्थाएं सामूहिक रूप से विश्व भू-भाग का एक चौथाई से अधिक विश्व जनसंख्या का 41 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं। बाजार के बड़े आकार और बढ़ती हुई विकास दर के कारण इन अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी प्रवाह के लिए अनुकूल स्थान रहे हैं।

ब्रिक्स समूह के अर्थव्यवस्था में एफडीआई प्रवाह

ब्राजील : उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में ब्राजील ने अपनी उपस्थिति समय के साथ वैश्विक बाजार में सुधार किया हैं। हॉलाकि, यूएनसीटीएडी द्वारा प्रकाशित विश्व निवेश रिपोर्ट-2019 के अनुसार वर्ष 2018 में एफडीआई प्रवाह 59.8 बिलियन डॉलर से 71.9 बिलियन डॉलर हो गया। ब्राजील का एफडीआई स्टॉक वर्ष 2018 से 2019 में 568.7 मिलियन डॉलर से बढ़कर के 640.7 मिलियन डॉलर हो गया। यूएनसीटीएडी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में ब्राजील में एफडीआई प्रवाह का स्तर ब्राजील के नए प्रशासन के सुधार कार्यक्रमों पर निर्भर करेगा। ब्राजील के निवेशक देशों व क्षेत्रों का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित हैं।

तालिका नं01. ब्राजील के एफडीआई प्रवाह व एफडीआई स्टॉक

Foreign Direct Investment	**2017**	**2018**	**2019**
FDI Inward Flow (*million* USD)	66,585	59,802	71,989
FDI Stock (*million* USD)	623,021	568,741	640,731
Number Of Greenfield Investments* **	199	332	355
Value Of Greenfield Investment (*million* USD)	9,643	15,412	30,814

Source: UNCTAD, Latest available data.

तालिका नं01.2 ब्राजील के एफडीआई प्रवाह देश व क्षेत्र

Main Investing 5 Countries	**2018, in %**
Netherlands	20.0
United States	16.0
Germany	8.2
Spain	7.4
The Bahamas	5.7
Main Invested 5 Sectors	**2018, in %**
Oil and gas extraction	11.4
Motor vehicles, trailers, semi-trailers and related parts	9.8
Financial and auxiliary services	7.6
Commerce, except vehicles	6.8
Electricity and gas	5.4

Sources of Statistics Central Bank of Brazil

RRIJM 2015, All Rights Reserved

रूस : रूस, यूक्रेन और पश्चिमी देश के बीच भू-राजनीतिक तनाव के कारण वर्ष 2013 से कमी आई हैं। वर्ष 2017 में 25.9 बिलियन डॉलर था जो वर्ष 2018 में घटकर 13.2 बिलियन डॉलर हो गया। वर्ष 2019 में एफडीआई प्रवाह में 18 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई जो पिछले वर्ष 2018 की तुलना में वर्ष 2019 में 31.7 बिलियन डॉलर हो गई। रूस का एफडीआई स्टॉक वर्ष 2018 से 2019 में 408.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 463.8 हो गया जो वर्ष 2010 से अपरिवर्तित हैं। रूस के निवेशक देशों व निवेश क्षेत्रों का विवरण निम्न तालिका से स्पष्ट हैं।

तालिका नं0. 2. रूस के एफडीआई प्रवाह व एफडीआई स्टॉक

Foreign Direct Investment	**2017**	**2018**	**2019**
FDI Inward Flow *(million USD)*	25,954	13,228	31,735
FDI Stock *(million USD)*	441,123	408,097	463,860
Number of Greenfield Investments* **	281	325	290
Value of Greenfield Investments (*million USD*)	17,548	18,352	24,602

Source: UNCTAD, Latest available data.

तालिका नं0. 2.1 रूस के एफडीआई प्रवाह देश व क्षेत्र

Main Investing 5 Countries	**2018, in %**
Cyprus	27.3
Netherlands	10.0
Luxembourg	10.0
Bahamas	7.9
Bermuda	6.1
Main Invested 5 Sectors	**2018, in %**
Mining and quarrying	25.2
Manufacturing industry	20.2
Trade, repair of motor vehicles	16.4
Financial activities and insurance	12.2
Public administration and defiance, compulsory social security	8.1

Source: **Central Bank of Russia** - ***Latest available data.***

भारत : यूएनसीटीएडी द्वारा प्रकाशित विश्व निवेश रिपोर्ट-2019 के अनुसार भारत में विनिर्माण संचार, वित्तीय सेवाओं और सीमा-पार विलय और अधिग्रहण गतिविधियों से भारत में एफडीआई प्रवाह 6 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2018 में 42 बिलियन डॉलर हो गया। भारत का एफडीआई प्रवाह वर्ष 2019 में बढ़कर 50.5 बिलियन डॉलर हो गया, जो वर्ष 2018 की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करती हैं। भारत का एफडीआई स्टॉक वर्ष 2018 से 2019 में 386.1 से बढ़कर 426. 9 मिलियन डॉलर हो गया। भारत के निवेशक देशों व निवेश क्षेत्रों का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित हैं।

तालिका नं0. 3. भारत के एफडीआई प्रवाह व एफडीआई स्टॉक

Foreign Direct Investment	**2017**	**2018**	**2019**
FDI Inward Flow *(million USD)*	39,904	42,156	50,553
FDI Stock *(million USD)*	377,246	386,172	426,928
Number of Greenfield Investments* **	703	779	701
Value of Greenfield Investments *(million USD)*	26,896	54,140	29,788

Source: UNCTAD, Latest available data.

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका नं0. 3.1 भारत के एफडीआई प्रवाह देश व क्षेत्र

Main Investing 5 Countries	2018, in %
Singapore	38.3
Mauritius	18.2
Netherlands	8.8
United States	7.1
Japan	6.5
Main Invested 5 Sectors	2018, in %
Chemicals	23.5
Services sector	22.7
Computer software and hardware	18.6
Trade	8.8
Telecommunications	8.7

Source: Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry - Latest available data.

चीन : यूएनसीटीएडी द्वारा प्रकाशित विश्व निवेश रिपोर्ट-2019 के अनुसार चीन, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा एफडीआई प्राप्तकर्ता देश हैं। चीन की अर्थव्यवस्था 2017 से 2019 के लिए बहुराट्रीय कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा निवेश आकर्षक स्थान हैं। अमेंरिका के बाद चीन में लगातार 2017-2019 तक एफडीआई प्रवाह में वृद्धि हुई हैं। चीन का एफडीआई स्टॉक वर्ष 2018 से 2019 में 1.628 मिलियन डॉलर से बढ़कर 1.769 मिलियन डॉलर हो गया, जो 2010 की तुलना में 587 मिलियन डॉलर तक पहुँच गया। चीन के मुख्य निवेशक स्थिर बने हुए हैं। चीन के निवेशक देशों व निवेश क्षेत्रों का विवरण निम्न तालिका से स्पष्ट हैं।

तालिका नं0. 4. चीन के एफडीआई प्रवाह व एफडीआई स्टॉक

Foreign Direct Investment	2017	2018	2019
FDI Inward Flow *(million USD)*	136,315	138,305	141,225
FDI Stock *(million USD)*	1,489,956	1,628,261	1,769,486
Number of Greenfield Investments***	765	871	835
Value of Greenfield Investments *(million USD)*	54,180	111,464	61,999

Source: UNCTAD, Latest available data.

तालिका नं0. 4.1 चीन के एफडीआई प्रवाह देश व क्षेत्र

Main Investing 5 Countries	2017*, in %
Hong Kong	72.1
Singapore	3.6
Virgin Islands	3.0
South Korea	2.8
Japan	2.4
Main Invested 5 Sectors	2017*, in %
Manufacturing	25.5
Information transmission, computer services and software	15.9
Real estate	12.8
Leasing and business services	12.7
Wholesale and retail trade	8.7

Source: China Statistical Yearbook, 2018 - Latest available data.
*** Data not Available.**

दक्षिण अफ्रीका : अफ्रीकी महाद्वीप के अन्य देशों में दक्षिण अफ्रीका में एफडीआई प्रवाह के संभावित आकर्षण अधिक हैं। हालांकि बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश की संभावना के कारण प्रगति भी हुई लेकिन इसके बावजूद भी

RRIJM 2015, All Rights Reserved

एफडीआई आकर्षण के लिए इसका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा हैं। दक्षिण अफ्रीका में अधिकांश एफडीआई प्रवाह का कारण "विशेष आर्थिक क्षेत्र" (SEZ) हैं। यूएनसीटीएडी द्वारा प्रकाशित विश्व निवेश रिपोर्ट-2019 के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में वर्ष 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर के उच्च प्रवाह की तुलना में 4.6 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। दक्षिण अफ्रीका का एफडीआई स्टॉक वर्ष 2018 से 2019 में 138.5 से बढ़कर 150. 9 मिलियन डॉलर हो गया। दक्षिण अफ्रीका के निवेशक देशों व निवेश क्षेत्रों का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित हैं।

तालिका नं0. 5. दक्षिण अफ्रीका के एफडीआई प्रवाह व एफडीआई स्टॉक

Foreign Direct Investment	**2017**	**2018**	**2019**
FDI Inward Flow *(million USD)*	2,008	5,450	4,624
FDI Stock *(million USD)*	156,353	138,562	150,951
Number of Greenfield Investments***	106	109	130
Value of Greenfield Investments *(million USD)*	3,560	4,812	4,115

Source: UNCTAD, Latest available data.

तालिका नं0. 5.1 दक्षिण अफ्रीका के एफडीआई प्रवाह देश व क्षेत्र

Main Investing 5 Countries	**2017*, in %**
United Kingdom	27.0
The Netherlands	18.0
Belgium	14.8
United States	6.7
Germany	4.9
Main Invested 5 Sectors	**2017*, in %**
Financial and insurance services, real estate and business services	44.6
Mining and quarrying	21.2
Manufacturing	15.9
Transport, storage and communication	10.2
Wholesale and retail trade, catering and accommodation	6.5

Source: South African Reserve Bank, Quarterly Bulletin June 2019 - Latest available data.
*** Data not Available.**

तालिका नं0. 6 ब्रिक्स समूह के अर्थव्यवस्था का एफडीआई प्रवाह (US Billion $)

Year	Brazil	Russia	India	China	South Africa
2010	82.39	43.168	27.397	243.703	3.693
2011	102.472	55.084	36.499	280.072	4.139
2012	92.568	50.588	23.996	241.214	4.626
2013	75.211	69.219	28.153	290.928	8.233
2014	87.714	22.031	34.577	268.097	5.792
2015	64.738	6.853	44.009	242.489	1.521
2016	74.295	32.539	44.459	174.75	2.215
2017	68.885	28.557	39.966	166.084	2.059
2018	78.163	8.785	42.117	235.365	5.569
2019	78.559	31.783	50.605	155.815	4.625

Source: World Development Indicator, wdi.worldbank.org

रेखाचित्र नं0.1 एफडीआई प्रवाह शीर्ष 10 मेजबान अर्थव्यवस्थाएँ 2018–2019.

विकासशील अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक एफडीआई प्रवाह के आधे से अधिक को अवशोषित करती हैं। (रेखाचित्र 1) एफडीआई प्रवाह के शीर्ष 10 सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता बना रहा, जो 251 बिलियन डॉलर के एफडीआई प्रवाह को आकर्षित करता है, इसके बाद चीन 140 बिलियन डॉलर और सिंगापुर 110

RRIJM 2015, All Rights Reserved

बिलियन डॉलर के एफडीआई प्रवाह को आकर्षित करता है। ब्राजील 75 बिलियन डॉलर व भारत 49 बिलियन डॉलर को आकर्षित करता हैं। रूस और दक्षिण अफ्रीका शीर्ष 10 में स्थान नही बना पायी हैं।

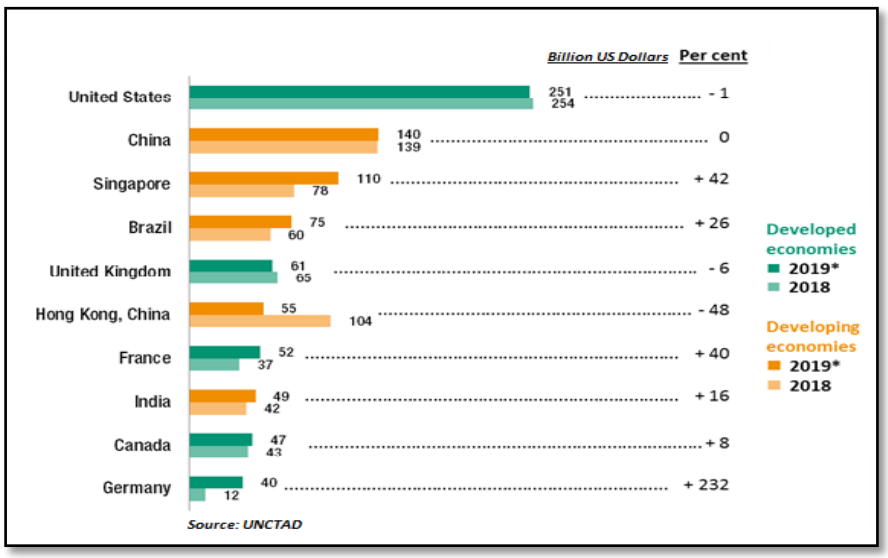

निष्कर्ष एवं सुझावः

ब्रिक्स समूह देश की अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू बचत और आवश्यकताओं (घरेलू मांग) में उपस्थित अंतराल के कारण ब्रिक्स जैसे विकासशील देशों के लिए विदेशी पूंजी के पर्याप्त आयात के बिना विकास करना संभव नहीं है, इसलिए ब्रिक्स समूह देशों में एफडीआई प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारकों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और इन कारको में उत्पन्न होने वाले समस्या पर विचार-विमर्श समूह देशों में होना चाहिए जिससे ये एफडीआई प्रवाह को अनुकूलित रूप से प्रभावित करें और ब्रिक्स देशों में विकास अनुकूलित रहे। विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए निवेश माहौल में सुधार हो और साथ ही निवेश क्षेत्र में आ रही समस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए उनके लिए अनुकूलित रूप से नीतिगत उपाय किए जाने चाहिए। इस प्रकार विकासशील देशों के रूप में प्रमुख रूप से उभरती हुयी ब्रिक्स समूह की अर्थव्यवस्था को आर्थिक सुधार और उदारीकरण गतिविधियों पर ध्यान देते रहना चाहिए। ब्रिक्स देशों द्वारा एफडीआई प्रवाह को बड़ी मात्रा में आकर्षित करने के लिए उदारीकृत नीतियां बनानी चाहिए, जिससे स्वयं की और मेजबानी कर रहे देशों की आर्थिक स्थिति को अनुकूल कर सके।

सन्दर्भ-सूचीः

1. Global Investment Trends Monitor, (2019), UNCTAD.
2. World Development Indicator, (wdi.worldbank.org)
3. Jim O'Neill (2001) "Building Better Global Economic BRICS' Goldmen Sachs, Global Economic Paper No. 66.
4. Goldman Sachs, Dreaming with BRICS: The Path to 2050, Global Economics Paper No. 99, 2003.
5. "World Economic Outlook". IMF, April, 2018.
6. Carkovic, M. and R. Levine (2002), “Does foreign direct investment accelerate economic growth?”, University of Minnesota.
7. Balasubramanayam (1996), “Foreign direct investment and growth in EP and IS countries”, Economic Journal, 106,92-105.
8. Chitre, Vikas (1996), “Foreign Capital Flows and Financial Market in India”, Journal of Foreign Exchange and International Finance, Vol. No 4, 275- 282.
9. Aviral Kumar Tiwari and Mihai Mutascu. (2011).” Economic Growth and FDI in ASIA: A Panel Data Approach”, Economic Analysis and Policy, Vol. 41, No. 2, 173-187.
10. Pradhan, R. P. (2009), “The FDI-led-growth hypothesis in ASEAN-5 countries: Evidence from co integrated panel analysis”, International Journal Business and Management, Vol. 4, No. 12, 153-164.
11. Fortanier, F. (2007), “Foreign direct investment and host country economic growth: Does the investor’s country of origin play a role?”, Transnational Corporations, Vol. 16,No. 2.
12. Chakraborty Nunnen Kamp (2006), “Economic Reforms, Foreign Direct Investment and its Economic Effects in India”, Kiel Working Paper No. 1272.
13. Johansen, S. (2006), “The Effects of FDI Inflows on Host Country Economic Growth”, CESIS, Paper no.58.

RRIJM 2015, All Rights Reserved